Page No : ______
Date : __/__/__

By SATYABHAMA CHANDRA
Department of Psychology
APSM college, Barauni, Begusarai
LNMU, Darbhanga, Bihar

B.A - III (H) Paper - VIth Date — 19/04/21

Topic — The Classical Era

(iv) आदेश की एकता → उद्योग या संगठन के प्रत्येक कर्मचारी को केवल एक ही अधिकारी से आदेश प्राप्त करना चाहिए।

(v) निर्देशन की एकता → संगठनात्मक क्रियाओं, जिनके उद्देश्य या लक्ष्य एक ही हों, उनके प्रत्येक समूह को एक ही मैनेजर के द्वारा एक ही योजना का उपयोग करते हुए निर्देशन दिया जाना चाहिए।

(vi) सामान्य लाभों के प्रति वैयक्तिक लाभों का अधीनीकरण → किसी एक कर्मचारी या कर्मचारियों के एक समूह को समस्त संगठन के लाभों पर प्राथमिकता नहीं दिया जाना चाहिए।

(vii) मेहनताना या पारिश्रमिक → कर्मचारियों को उनकी सेवा के लिए उचित वेतन दिया जाना चाहिए।

(viii) केन्द्रीकरण → निर्णय निर्माण में प्रबंध तथा अधीनस्थ कर्मचारियों को शामिल होना आवश्यक है। दोनों के लिए अनुकूलतम मात्रा में केन्द्रीकरण आवश्यक है ताकि संतुलन कायम रहे।

Scanned by TapScanner

(ix) स्केलर चैन → स्केलर चैन से शिखर प्रबंध से निम्नतम कोटियों तक की अधिकार-रेखा का बोध होता है। संगठन / उद्योग में संचार को इस चैन पर आधारित होना चाहिए। यदि सभी पद तथा उच्च अधिकारी सहमत हों, तो विशेष परिस्थितियों में क्रॉस-संचार का उपयोग किया जा सकता है।

(x) अनुक्रम → संगठन में लोगों तथा सामग्रियों को सही स्थान तथा सही समय पर होना चाहिए।

(xi) निष्पक्षता → संगठन के मैनेजर को दयालु तथा न्यायसंगत होना चाहिए।

(xii) कर्मचारी के कार्यकाल की स्थिरता → कर्मचारियों के कार्यकाल को स्थिर बनाए रखने का हर संभव प्रयास किया जाना चाहिए।

(xiii) उपक्रमण → संगठन के कर्मचारियों को नई-नई योजनाओं को प्रारंभ करने तथा कार्यान्वित करने की अनुमति दी जानी चाहिए। ऐसी स्थिति में वे उच्च स्तरीय प्रयास करते हैं।

(xiv) संघ भाव → संगठन में टीम-मनोभाव को विकसित किया जाना चाहिए। इससे उद्योग में सामंजस्य तथा एकता को विकसित करने में मदद मिलती है, जो संगठन के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायक होती है।

To be continue ---

Satyabhama
19/04/21